ज्योतिष शास्त्र

|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ज्योतिष ब्लॉग ||

Website : https://JyotishShastra.com

Email : info@jyotishshastra.com

Horoscope Email : horoscope@jyotishshastra.com

Horoscope Web Link : https://JyotishShastra.com/horoscope

नाम - अभिषेक त्यागी

जन्म दिवस - 15 मार्च 1981

जन्म समय - 4:55 pm

जन्म स्थान :- हरिद्वार

ईमेल - abhi_searchin@hotmail.com

चयनित भाषा - हिंदी

माध्यम - वैदिक पाराशर शास्त्र

प्रश्न - Career, Health , financial gains/losses, Marital life, children's health and life , Parents Health & Life , Social and Spiritulal growth, business growth

ॐ श्री गणेशाय नमः

लग्न : सिंह

राशि : कर्क

नक्षत्र : पुनर्वसु

नक्षत्र चरण : चतुर्थ

शुभ दिन : शनि बुध शुक्र

प्रबल ग्रह : शनि बुध शुक्र

भाग्यशाली धातु : सुनहरा

भाग्यशाली रत्न : हीरा

वर्तमान महादशा :

बुध में शनि की महादशा 26/10/2019 तक

केतु की महादशा - 26/10/2019 से 23/03/ 2020 तक

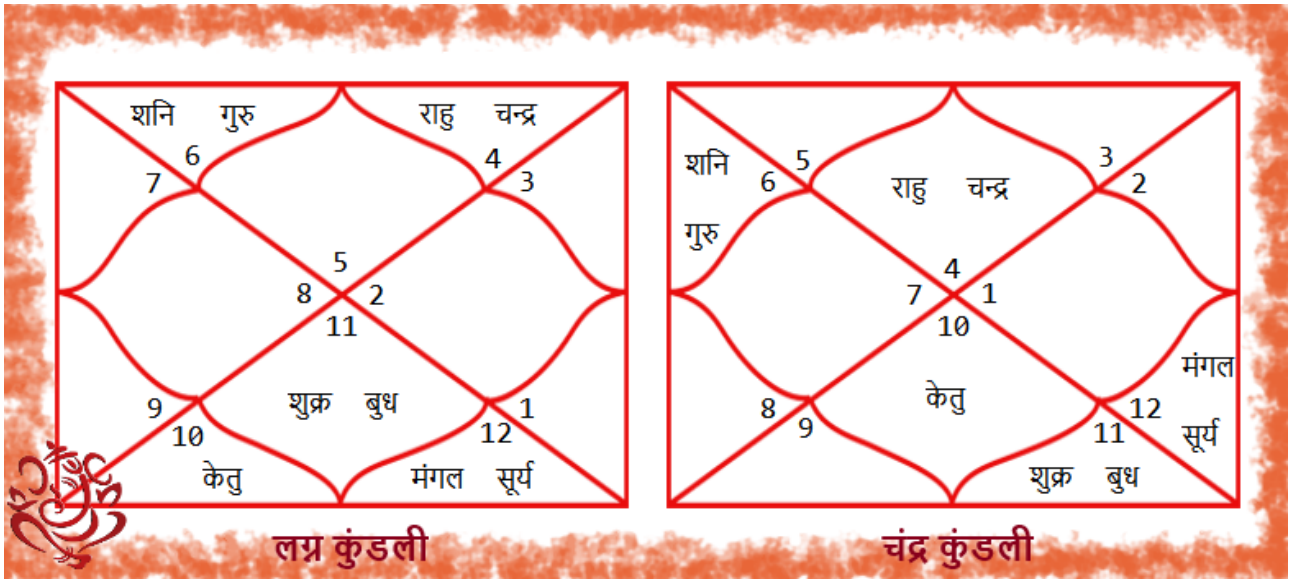

कुंडली विवेचना:

आपका स्वभाव बहुत ही अच्छा व आप मिलनसार व्यक्ति हैं | दूसरों की मंशा आप भली प्रकार भांप लेते हैं | दूसरों के साथ समनवय (अंडरस्टैंडिंग) आप भली प्रकार स्थापित कर लेते हैं | आप अनुशासन प्रिय व्यक्ति है एवं दूसरों से भी यही अपेक्षा रखते हैं की वे भी आपके साथ अनुशासन से रहे | आप उसूलों (प्रिंसिपल्स) पर चलने वाले व्यक्ति हैं | आप हर प्रकार के कार्य करने में सक्षम हैं | आप बहुत क्षेत्रों (फील्ड) की जानकारी रखने वाले व्यक्ति हैं | दूसरे व्यक्ति जिस कार्य को करने में सकुचाते हैं आप उन कार्यों को भी बड़ी सरलता से

कर डालते हैं | आप गलती करने वाले को दण्डित करते है व किसी पर प्रेम आने पर, किसी को अपना मान लेने पर, अपना तन मन धन सब न्योछावर कर डालते हैं |

आपसे कोई पन्गा ले तो आप उसे दण्डित करके ही शांत होते हैं | एक बात यदि दिमाग में घर कर जाये तो वह सरलता से निकलती नहीं है |माता पिता से आप आदर व प्रेमभाव रखते हैं | पत्नी बच्चों से भी आप खूब प्रेम व स्नेह भाव रखते हैं | ब्लड रिलेटिव्स से भी आप खूब प्रेम व सत्कार भाव रखते हैं | यह आपके स्वभाव में हैं | परिवार में समस्या आने पर आप उसके समाधान हेतु तन मन धन से तत्पर रहते हैं | आपकी सोशल लाइफ बड़ी अच्छी है | आप दूसरों को बड़ी ही सहझता से अपनी ओरे आकर्षित कर लेते हैं | एक बार कोई आपके पास बैठ जाए आपका मुरीद हो जाता है व दुबारा मिलने की सहर्ष इच्छा रखता है | आपके भीतर दूसरों को समझाने (कन्वेन्स करने) की अद्भुद शक्ति है | चुटकियों में आप दूसरों से अपनी बात मनवा लेते हैं | दूसरों से काम लेना आप भली प्रकार जानते हैं | जो भी आपसे जुड़ेगा अथवा मिलेगा उसे आपका साथ अच्छा लगेगा | वैसे तो आप बहुत शांत व शालीन हैं किन्तु एक बार क्रोध आने पर आप अपना आपा खो बैठते हैं | हालांकि बाद में क्रोध शांत होने पर आप पछतावा भी करते हैं | आपका क्रोध शांत भी जल्दी हो जाता है |

आप मजबूत व गठीले शरीर की स्वामी है किन्तु चोट व कटे फाटे की चिन्ह शरीर पर स्थित होंगे | भगवान् में आपकी आस्था व श्रद्धा बहुत अधिक है | दान पुण्य के कार्य करने से भी आप पीछे नहीं हटते | आपका सिक्स्थ सेंस बहुत अच्छा है | कभी कभी आपके भीतर एक अनजाना भय घर कर जाता है की आपके उप्पर किसी ने टोना टोटका करा रखा है | भूत प्रेत बाधा का भी भय आपको अक्सर सताता है | किन्तु वास्तव में ऐसा है नहीं |

आपका स्वभाव अड़ियल किस्म का है | अंत में करते अपनी मर्जी की ही हैं | माता, पत्नी, पुत्री के लिए आप अत्यंत चिंतित रहते हैं | आपके जीवन में परेशानियां आएँगी किन्तु बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद व उनके परामर्श से आप पार लग जाओगे | आप कानूनी पचड़े में उलझो इसकी पूर्ण संभावना है | इस कारण धन हानि का पूर्ण योग है | वैसे धन की समस्या आपको कभी होगी नहीं | पैतृक (पिता द्वारा अर्जित) धन - संपत्ति आप पर खूब बरसेगी | आपका मस्तिष्क विचलित रहता है | दिमाग से सोचते हुए दिल से काम लेने लगते हैं व दिल से सोचते हुए दिमाग से काम लेना शुरू कर देते हैं | इस कारण आप अक्सर गलत निर्णय ले लेते हैं | जिस कारण आपको परिवार सुख, दाम्पत्य सुख व धन हानि उठानी पड़ती है | आप अपनी बात दूसरों के साथ बांटना पसंद नहीं करते | बहुत सारी चीजों को लेकर आपके भीतर द्वन्द चलता रहता है |

स्वास्थ्य:-

आप मजबूत व गठीले शरीर की स्वामी है | अत्यधिक क्रोध व अपने भीतर चल रहे द्वन्द अथवा किसी बात को परिजनों अथवा मित्रों से शेयर अथवा न बाँट पाने के स्वाभाव के फलस्वरूप, इसका आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा | आपको हृदय घात सम्बंधित रोग कम आयु में ही होने की पूर्ण संभावना है | इससे बचने के लिए आप अपने क्रोध व किसी एक अथवा कई बातों को अपने भीतर ही भीतर न पनपने दें | अपनी छोटी से छोटी बात अपने बुजर्गों, पत्नी से बांटें व उनका परामर्श लें | अपने आप को शांत रखें | समस्या अथवा कोई टेंशन आने पर उसका समाधान तुरंत ही करें उसे लम्बी अवधि तक लटका कर न छोड़ें | ऐसा करने से आप इस रोग से बच सकते हैं | आकस्मिक रूप से घटने वाली दुर्घटनाएं आपके जीवन में घटित होती रहेंगी परन्तु इनसे ज्यादा हानि नहीं होगी | आपको पीठ, नर्वस सिस्टम, हृदय, इन्सोमेनिआ (नींद न आना), उदर (पेट) सम्बंधित रोग, गेस्ट्रिक विकार जैसे रोगों से आक्रांत होना पड़ सकता है | आपकी लाइफ लाइन बहुत अच्छी है लम्बा जीवन जियेंगे | कुल मिलकर स्वास्थ्य की स्थिति ठीक रहेगी |

आपकी हथेलियों में नै रेखाएं उभारना प्रारम्भ हुई है जो गलत सन्देश दे रही हैं | आप मदिरा, मांस - मछली कि सेवन की ओरे जा सकते हैं | इनसे बचें व दूरी बना लें अन्यथा स्वास्थ्य हानि, सोशल हानि, व धन हानि होने की पूर्ण योग बनते दिखाई दे रहे हैं |

माता - पिता का स्वास्थ्य:-

माता की सेहत कमजोर रहेगी | कमर व उससे नीचे के भाग सम्बंधित रोग उन्हें आक्रांत करते रहेंगे | पिता के हृदय, उदर, अस्थि सम्बंधित रोगों से ग्रस्त होने की संभावना है |

संतान का स्वास्थ्य एवं जीवन:-

संतान के विषय में ज्यादा कहना अभी उचित नहीं प्रतीत होता क्यूंकि वे अभी बाल्य अवस्था में ही हैं | किन्तु आपके द्वारा पूछे जाने पर कुछ आंशिक फलादेश देना मेरा कर्त्तव्य बनता है | आपकी पुत्र संतान कुछ डरपोक अथवा यूँ कहें की कुछ बैकफुट पर रहने वाली होगी | किन्तु आयु बढ़ने के साथ समय परिवर्तन के साथ उसके स्वभाव में काफी कुछ परिवर्तन आएगा व पुत्र का स्वभाव अपने पिता जैसा ही रहेगा | अपेक्षाकृत आपकी पुत्री संतान निडर प्रवत्ति की होगी व उसका स्वभाव अपनी माता जैसा रहेगा | दोनों संतान की मानसिक स्थिति अपने माता पिता के जीवन पर निर्भर रहेगी | आप अपनी संतान से अत्यधिक प्रेम व स्नेह

भाव रखते हैं फिर भी आप उन्हें वह सब नहीं दे पाते जितना आप उन्हें देने में सक्षम हैं | आपकी संतान की भाग्य निर्माता उनकी माता होंगी न कि आप |

वैवाहिक / दाम्पत्य जीवन:-

आपकी पत्नी आपसे आयु में कम होंगी | आप अपनी पत्नी से अत्यंत प्रेम भाव रखते हैं | संभवतः अपने स्वभाव के कारणवश आप इस प्रेम को अपनी पत्नी से जाहिर नहीं करते | आपकी पत्नी में अहम् की भावना कुछ अधिक होगी | इसे स्वाभिमान की संज्ञा भी दी जा सकती है | आपका स्वमं का हठी व अड़ियल स्वभाव, अपनी बात अपने तक ही सीमित रखने का स्वभाव एवं साथ ही पत्नी का अहम् अथवा स्वाभिमान युक्त स्वभाव आपके दाम्पत्य संबंधों में बहुत बड़ी समस्या बनकर स्थित है | आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं है | पूर्ण रूप से सम्बन्ध विच्छेदन के योग प्रबलित हैं | यदि सम्बंद विच्छेदन हुआ तो आप कानूनी पचड़े में फँस जाओगे | विच्छेदन यदि हुआ तो लीगली ही होगा | अत्यधिक धन हानि उठानी पड़ेगी | माता पिता को स्वास्थ्य हानि उठानी पड़ेगी | संतान की मानसिक स्थिति बिगड़ेगी जिसका उनके भविष्य (स्वास्थ्य एवं करियर) पर गहरा असर पड़ेगा | आपकी दूसरे विवाह की भी संभावना है | पत्नी से योग बिगड़े तो आपकी आयु के तेंतालीस (43 वर्ष) वे वर्ष तक सारा कार्य क्लियर हो जायेगा | दूसरा विवाह करने के पश्चात, दूसरी पत्नी के साथ भी इसी प्रकार की समस्या बनी रहेगी | इसी विवाह को निभाएं यही आपके व आपके सम्पूर्ण परिवार के लिए उचित है |

वर्तमान में आप निर्णय लेने हेतु सही मायनो में सक्षम नहीं हैं | कनफ्लिक्ट ऑफ़ माइंड (मन का संघर्ष) रहेगा | जहां दिल की सुननी है वहाँ दिमाग का उपयोग व जहां दिमाग का उपयोग करना है वहाँ दिल की सुनकर निर्णय लेने का स्वभाव आपसे गलत निर्णय दिलवाएगा | अपना अड़ियल स्वभाव बदलें | अपनी बात पत्नी व माता पिता से शेयर करें व सभी इशू डिसकस करें, अपने तक ही सीमित न रखें | अपने बुजुर्गो से परामर्श लेकर ही कोई निर्णय लें | जबरन अपनी मन मर्जी न चलाएं | अपने प्रेम को पत्नी पर जाहिर करें | सम्बन्ध विच्छेदन से बचने के लिए घट-विवाह करें |

धन - संपत्ति:-

धन संपत्ति की दृष्टि से आपकी कुंडली बतलाती है कि आपकी पांचो उंगलियां घी में पूर्णतया डूबी हुई है अर्थात धन व संपत्ति आपके पास भरपूर है व आजीवन रहेगी यदि आपने कुछ महत्वपूर्ण परिस्थितियों में

गलत निर्णय न लिए तो | परन्तु गलत निर्णय लेने पर धन हानि होने पर भी ऐसा नहीं है की आपकी आर्थिक स्थिति बिगड़ जाएगी या आप सड़क पर आ जाओगे | आवश्यकता अनुसार धन संपत्ति की उपलब्धता सदैव बनी रहेगी | कभी कोई कमी नहीं रहेगी | धन संपत्ति की ओर से आप निश्चिंत रहे | आपके पास पिता द्वारा अर्जित धन संपत्ति भी प्रचुर मात्रा में रहेगी |

आपके धन की प्राप्ति का मार्ग केवल आपकी पत्नी हैं | ससुराल पक्ष से भी आपको धन संपत्ति मिलने कि प्रबल योग हैं | ऐसा कोई निकटस्थ रिश्तेदार जिसका कोई नहीं है वह भी आपको अपनी धन संपत्ति दे दे इसकी संभावना है | यदि कोई आपके पक्ष अथवा ससुराल पक्ष के रिश्तेदार इस स्थिति में है तो उनसे संपर्क स्थापित कर अपने सम्बन्ध मधुर कर लें | सम्बन्ध बनाने दूसरों को अपना बनाने के कार्य में आप स्वभाव से निपुण भी हैं | कभी जीवन में आप फाइनेंसियल क्राइसिस में फंसे भी तो कहीं न कहीं से धन की सहायता मिल ही जाएगी |

करियर:-

आपके लिए धन / फाइनेंस से सम्बंधित कार्य सर्वोपयुक्त रहेंगे | बैंक में नौकरी, फाइनेंशियल जॉब अथवा बिज़नेस, केटरिंग बिज़नेस, होटल मैनेजमेंट जैसे कार्य यदि आप करें तो खूब धन अर्जित कर सकते हैं | आप बहुत सारे कार्य एक साथ करने को उत्सुक रहते हैं | आप अपने काम को फैला कर चलना चाहते हैं किन्तु आपकी इस प्रवृत्ति का आपके परिवार पर प्रभाव पड़ता है | आप नौकरी व बिज़नेस दोनों ही माध्यम से धनार्जन कर सकने में सक्षम हैं | नौकरी अथवा व्यापार में से कोई एक चुनना हो तो, व्यापार ही आपके लिए उत्तम रहेगा | क्यूंकि प्रतिदिन के रूटीन वाले कार्य आपमें बेचैनी उत्पन्न करते हैं | जिस स्थान पर आपका जन्म हुआ है (जन्मस्थल / जन्मस्थान) उस स्थान से दूर जाकर ही आप सफलता को प्राप्त कर सकते हैं | आप विदेश जाकर भी अत्यंत अधिक मात्रा में धन अर्जित कर सकते हैं | चूँकि आपके भीतर दूसरों को समझने, उन्हें समझाने - मनाने, परामर्श देने की क्षमता बहुत अधिक है,

इसलिए आप यदि कंसल्टेंसी, कॉउंसलिंग, सायकोलॉजिस्ट जैसे कार्य करें तो उत्तम फल प्राप्त होंगे | एस्ट्रोलॉजी के क्षेत्र में अगर आप उतर गए तो सबकी दुकान बंद करा देंगे | आपका सिक्स्थ सेंस बहुत अच्छा है |

रही बात स्कूल सम्बंधित व्यापार की तो स्कूल संचालन में आप स्ट्रगल में ही रहोगे, वह संतुष्टि नहीं मिलेगी जिसकी आपको चाह है | अतः स्कूल का व्यापार आप अपनी पत्नी से ही करवाएं अर्थात यह कार्य आप उन्हें ही सौंप दें | बैंक अकाउंट, रजिस्ट्रेशन सभी कुछ पत्नी के नाम से ही करवाएं | आप पीछे से पत्नी की सहायता करें | स्कूल में कभी किसी बच्चे का एडमिशन मुफ्त में न करें | गरीब, दुखी, असहाय स्थिति

देखकर मुफ्त में ही एडमिशन न दें व न ही उसे मुफ्त पढ़ाएं | ऐसा करेंगे तो इसका दुष्प्रभाव स्वमं आपकी अपनी संतान पर पड़ेगा | आपकी पत्नी ही आपकी आय का एक मात्र स्रोत अथवा रास्ता हैं | पत्नी का साथ छोड़ा तो आपका व्यापार गर्त में धंसता चला जायेगा | स्कूल का संचालन आपकी माता एवं पुत्री के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा |

गलत तरीके से कमाई न करें | ऑफर मिलेंगे किन्तु इंकार करें | लालच से वशीभूत होकर कोई काम न करें | कच्चे लालच में न पड़ें | वैसे इस प्रकार गलत तरीके से काम करना धन अर्जन करना आपके स्वभाव में ही नहीं है किन्तु फिर भी ध्यान रखें | बुजुर्गों से परामर्श लेकर कोई काम करें |

आपकी हथेलियों में नई रेखाएं उभारना प्रारम्भ हुई है जो आपके गलत दिशा में भटके का स्पष्ट सन्देश दे रही हैं | आप मदिरा, मांस - मछली के सेवन की ओर जा सकते हैं | इनसे बचें व इनसे पूर्णतया दूरी बना लें अन्यथा स्वास्थ्य, व्यापार एवं धन हानि होने के पूर्ण योग बनते दिखाई दे रहे हैं | पूरे परिवार पर इसका अत्यंत दुष्प्रभाव पड़ेगा |

उपाय:-

- ४३ दिन तक लगातार नीला फूल गंदे नाले में प्रवाहित करें |
- दाहिना कारण छेदन करा कर उसमें स्वर्ण का कुण्डल अथवा हीरा जड़ा टॉप्स धारण करें |
- रात्रि के समय दूध का सेवन न करें |
- दिन के समय स्वर्ण को अग्नि पर ताप कर उसे दूध में झोंके तत्पश्चात सेवन करें |
- किसी को भी दूध का दान न करें, परिवार से अलग किसी को मुफ्त दूध न पिलाएं | केवल सर्प को दूध पिला सकते हैं |
- सर के नीचे सौंफ रखकर सोएं | इससे भी लाभ न मिले तो लाल रत्ती के 10 दाने पीले रंग के कपडे में बांधकर उसे अपने तकिये के नीचे रखकर सोएं |
- बरगद के पेड़ में मीठा दूध चढ़ाएं |
- घट - विवाह अनिवार्य रूप से करा लें |

- घर के सामने यदि कहीं गड्ढे हैं तो उन्हें तुरंत भरवा दें |
- घर के पिछले भाग में एक कोने में अँधेरी कोठरी का निर्माण कराएं | कोठरी में रौशनी जाने का कोई रास्ता जैसे खिड़की, रोशनदान न हो | इस कोठरी को सदा के लिए बंद कर दें |
- चरित्र का ध्यान रखें | मन भटकने न दें |
- मदिरा - मांस का सेवन यदि करते हों तो तुरंत बंद कर दें |
- केसर का टीका लगाएं |
- रसोईघर में बैठकर भोजन करें, बिस्तर पर बैठकर तो कटाई भोजन ग्रहण न करें |
- बुजुर्गों से परामर्श लिए बिना कोई कार्य न करें एवं न ही कोई निर्णय ही लें |
- उच्च कोटि के कलर एवं कट का हीरा रत्न, तर्जनी ऊँगली में धारण करें | यह आपका भाग्य रत्न भी है |
- व्यापार कोई भी करें, पत्नी के नाम से करें व स्वमं पीछे से सपोर्ट करें |
- पत्नी का साथ कदापि न छोड़ें |
- संतान को अधिक से अधिक समय, सानिध्य व अपना परामर्श दें |
- मन में कुछ चल रहा है या खटक रहा है तो तुरंत ही पत्नी व माता पिता से शेयर करें, ऐसा करने से आपका मन शीघ्र शांत हो जायेगा |
- मन को शांत रखें |
- स्कूल में छात्रों को मुफ्त शिक्षा कदापि न दें |
- ऐसा करने से सब कुछ ठीक रहेगा व जीवन रुपी नैया मजे से दौड़ती रहेगी |

*आस्था और श्रद्धा से कुछ और बड़ा नहीं है | जो कुछ भी आप कर रहे हैं या करने के लिए जा रहे हैं उस पर पूर्ण श्रद्धा एवं विश्वास रखें, क्योंकि जो भी कर्म आप कर रहे हैं या अपने कल्याण के लिए करने जा रहे हैं, आपके अच्छे कर्मो की सूची में सम्मलित होंगे।

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख शांति स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे।

SANDEEP KUMAR SINGH

Digitally signed by SANDEEP KUMAR SINGH
Date: 2018.01.19 13:36:16 +05'30'